Roll No. ....
Signature of Invigilator ....

Paper Code
MD-402

पतंजलि विश्वविद्यालय

University of Patanjali

Examination June – 2022

M.A. Darshan, Semester : Fourth
Darshan ; Paper : Second

न्याय-वैशेषिक-4

Time: 3 Hours | **Max. Marks: 70**

नोट : यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो दो (02) खंडों क, तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

खण्ड-क
(दीर्घ-उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पांच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पंद्रह अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। (3×15=45)

1. न्यायदर्शन के चतुर्थ अध्याय में कितने प्रवादों की चर्चा की गई है किसी एक वाद का पक्षविपक्षपूर्वक विस्तृत विवेचन करें।
2. न्यायदर्शनानुसार अपवर्ग के पूर्वपक्ष का परिहार करते हुए सिद्धान्त पक्ष की स्थापना करें।
3. "ऋणक्लेशप्रवृत्यनुबन्धादपवर्गाभावः" इस सूत्र की सप्रसंग व्याख्या करें।
4. प्रशस्तपादभाष्यानुसार अविद्या के प्रकारों का विस्तृत विवेचन कीजिए।
5. वैशेषिकमदर्शनानुसार अभाव के स्वरूप एवं प्रकारों का वर्णन करें।

खण्ड-ख
(लघु-उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में सात (07) लघु उत्तरीय प्रश्न दिए गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पांच अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **पांच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। (5×5=25)

6. "तत्रैराश्यं राग द्वेषमोहार्थान्तरभावात्" सूत्र की सप्रसंग संक्षिप्त व्याख्या करें।
7. किन्हीं तीन निग्रहस्थानों का वर्णन करें।
8. न्यायदर्शनानुसार तत्त्वज्ञानविवृद्धि के उपायों का वर्णन करें।
9. सर्वशून्यतावाद एवं सर्वानित्यत्वाद का वर्णन करें।
10. महर्षि कणाद के अनुसार सुख के स्वरूप की सप्रमाण व्याख्या करें।
11. धर्म-स्कन्धों की संक्षिप्त व्याख्या करें।
12. प्रशस्तपादभाष्यानुसार 'अनुमान प्रकरण' की संक्षिप्त व्याख्या करें।

---------------x---------------